प्रश्न पत्र – MJY-E 305 अर्जिताधिभार 06 05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–2)

श्रौतयाग(2) 70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA - 2

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 अग्नाधान/पुनराधेय
खण्ड – 2 अग्निहोत्र–परिचय
खण्ड – 3 श्रौतविहित काम्य इष्टि परिचय
खण्ड – 4 महर्षि दयानन्द का कर्मकाण्डीय चिन्तन

सन्दर्भग्रन्थ :

1. शतपथ ब्राह्मण 2.1.1–22.23/वैखानस श्रौतसूत्र–1.1–2
2. शतपथ ब्राह्मण 2.2.4.1–18.2.3.1.1 /आश्वलायन श्रौतसूत्र पूर्वषट्क 2.2.6/ वैखानसश्रौतसूत्र–2.2.1–1
3. कात्यायन श्रौतसूत्र 9/11, वैखानस श्रौतसूत्र 12 (सम्पूर्ण)